B.Ed. EPC - III - IV   Pradeep Singh Chauhan

आधुनिक समाज में शिक्षक के लिए चुनौतियाँ :-   21-3-20

समाज में शिक्षक की भूमिका :- समाज निर्माण में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है, बाल्यकाल में हर समाज का व्यक्ति कहीं न कहीं से शिक्षा ग्रहण करता है, चाहे वह विद्यालय का हो या किसी अन्य प्रकार की संस्था हो तथा उस संस्था या विद्यालय में शिक्षक की अहम् भूमिका होती है, कि वह समाज के पौराणिक तथ्यों या शिक्षा की पुरानी पद्धतियों के साथ - साथ परिवर्तित पर भी प्रकाश डाले तथा एक बेहतर समाज का विकास करे और यही होता चला आ रहा है. समाज के विकास के लिए शिक्षक रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है, अगर सही सही मार्ग-दर्शन करने वाला शिक्षक बालकों को नहीं मिलता है, तो जीवन अंधकारमयी हो जाता है,

शिक्षा प्रणाली का बदलता स्वरूप :- जैसे कि हम देख सकते हैं, कि समय समय पर शिक्षा प्रणाली पाठ्यक्रम में परिवर्तन किए जा रहे हैं विकास के दौर में परिवर्तन किए जा रहे हैं, विकास के दौर में हमारी शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समय समय पर परिवर्तन किए जाते हैं, ऐसे में अनिवार्य हो जाता है कि शिक्षक को इन सभी प्रकार के परिवर्तनों को स्वीकार कर भाँति-भाँति एवं समझकर छात्रों को सम्मुख जिससे शिक्षक को जटिलताओं का सामना भी करना पड़ता है,

समाज एवं शिक्षण में टैक्नोलॉजी :-

शिक्षक का बच्चों के साथ इंटरेक्शन :—

आदर्श शिक्षक का कार्य बहुत ही महत्वपूर्ण है, एक बात और जिस प्रकार शिक्षक एक अंतहीन प्रक्रिया है, उसी प्रकार शिक्षक भी अंतहीन प्राक्रिया है,

ऐसा मैं मानती हूँ क्योंकि कोई भी ~~प्रकार~~ इंसान जैसे पूरी जिन्दगी सीखता रहता है, उसी प्रकार एक शिक्षक का कार्य भी शिक्षा शिक्षा देना है, जो वह निरन्तर देता रहता है, इसलिए उसे किसी विशेष प्रांगण किसी विषय किसी विशेष समय समय अन्तराल की आवश्यकता नही होती !

अतः मैं यही कहना चाहती हूँ कि यह कि यह मेरा मूल विचार है, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए एक सजग उदार चरित्र धार्मिक नैतिकता से परिपूर्ण शिक्षक की आवश्यकता है, ताकि हमारे आने वाली पीढ़ी को हम ऐसे भारतीय नागरिक बनाने में सफल हो सकें जो विश्व में भारत का नाम रोशन कर सकें और उन्हें भारत को 'जगत गुरु' की उपाधि प्राप्त करवा सकें ।

Topic B.Ed. IV th sem. E.P.C. Date 23-3-2020

II day- work shop-

ICT- Information Communication Technology

सूचना सम्प्रेषण प्रविधि

जिसे आम तौर पर आईसीटी (ICT) कहा जाता है। ICT का प्रयोग अक्सर सूचना प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के पर्यायवाची के रूप में किया जाता है, लेकिन यह आम तौर पर अधिक सामान्य शब्दावली है, जो आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी में दूरसंचार (टेलीफोन लाईन एवं वायलेस संकेतो की भूमिका पर जोर देती है (ICT) में वे सभी होते है। जिनका प्रयोग कम्प्यूटर एवं नेटवर्क हार्डवेयर दोनों और साथ ही साथ आवश्यक साफ्टवेयर सहित सूचना एवं सहायता संचालन करने के लिए किया जाता है।

I.T (Information Technology) :-

सूचना प्रौद्योगिकी :- आंकडों के प्रति सूचना (इंफार्मेश सग्रह सुरक्षा परिवर्तन आदान-प्रदान अध्ययन, डिजाइन आदि कार्यो तथा इन कार्यो के निष्पादन के लिए आवश्यक कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों से संबंधित हैं। सूचना प्रौद्योगिकी कम्प्यूटर पर आधारित सूचना का आधार है। सूचना प्रौद्योगिकी वर्तमान समय में वाणिज्य

WORK Shop

Topic II day Date 23-3-2020

इलेक्ट्रानिक संचार को भी सुचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख घटक माना जाने लगा है और इसे सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी Information and Communication technology भी कहा जाता है। एक उद्योग तौर पर यह एक अभ्यता है।

-: सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न घटक :-

① कम्प्यूटर हार्डवेयर प्रौद्योगिकी :-

इसके अन्तर्गत माइक्रो कम्प्यूटर सर्वर बड़े मेनफ्रेम कम्प्यूटर के साथ-साथ इनपुट एवं संग्रह वाली युक्तियां आती है।

, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

इसके अन्तर्गत प्रचलन प्रणाली (DBMS) सर्वर तथा व्यापारिक वाणिज्यिक सॉफ्टवे आते है।

दूरसंचार व नेटवर्क प्रौद्योगिकी :-

Topic B.Ed. IV Sem
E.P.C.

Date 24-3-2020

(4) मानव संसाधन

तंत्र प्रशासन (System Administrator) नेटवर्क प्रशासक (Network Administrator आदि।

सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभात :-

सूचना प्रौद्योगिकी पूरी धरती को एक गाँव बना दिया है। इसने विश्व बना दिया है। इसने विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं को जोड़कर,

(1) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा अर्थतंत्र (Servise Economy का आधार है।

(2) पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक उपयुक्त तकनीक है।

एक वैश्विक अर्थव्यवस्था को जन्म दिया है। यह मशीन अर्थव्यवस्था अधिकाधिक रूप से सूचना के रचनात्मक व्यवस्था व वितरण पर निर्भर है। इसका कारण व्यापार और वाणिज्य में सूचना का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है, अर्थव्यवस्था को सूचना अर्थव्यवस्था या ज्ञान अर्थव्यवस्था भी कहते है। वस्तुओं के उत्पादन पर आधारित परम्परागत अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ती जा रही है। और सूचना पर

Topic E.P.C B.Ed. IV Sem Date 24-3-20

सूचना क्रान्ति से समाज के सम्पूर्ण कार्यकलाप प्रभावित हुए है शिक्षा स्वास्थ्य व्यापार प्रशासन सरकार उद्योग अनुसंधान व विकास संगठन प्रशासन प्रचार धर्म आदि सब के सब क्षेत्र में कायापलट हो गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व :-

सूचना प्रौद्योगिकी सेवा अर्थ का आधार है।

पिछड़े देशों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी एक सम्यक तकनीकी है।

गरीब जनता को जनता सूचना सम्पन्न बनाकर की निर्धारिता का उन्मूलन किया जा सकता है।

चना तकनीकी प्रशासन और सरकार में
रिदर्शिता लाती है, इससे भ्रष्टाचार को कम करने में
हायता मिलती है।

Topic E.P.C. IV Sem Date 25-3-2020

-: P. P. T - पॉवरप्वाइंट प्रेजेन्टेशन :-

पॉवरप्वाइण्ट वह साफ्ट वेयर है. जिसमें file-edit की जाती है और PRESENTATION का अर्थ है "प्रस्तुत करना" या प्रस्तुती देना होता है, PPT पाॅवरप्वाइंट फाइल का Extension होता है।

POWERPOINT SOFTWARE में जो फाईल बनाई जाती है। उसे पॉवरप्वाइंट प्रजेंटेशन कहते है। इन प्रजेन्टेशन में स्लाइड की सहायता से किसी Object या Subject के बारे में समझाया जाता है।
यह Micro Soft Office Suite का ही एक हिस्सा है, जिसमें Text. Images. Shapes, आदि की सहायता से किसी Object या Subject को समझाने के लिए PPT File बनाई जाती है।

एक PPT file को दिखने में Impressive होना चाहिए P.P.T file को Impressve बनाने के लिए Powerpoint में हमें कई Tool दिए जाते है।

Topic E.P.C. B.Ed. (2) IV Sem Date 31-3-20

-: एम एस पॉवरप्वाइंट का परिचय :-

एम एस पॉवरप्वाइंट माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस का एक एप्लीकेशन है, सॉफ्टवेयर है, जिसकी सहायता से प्रजेन्टेशन ग्राफ्स, स्लाइड्स एवं सभी प्रकार के प्रजेन्टेशन मैटेरियल तैयार किया जाता है। स्लाइड एक इलेक्ट्रॉनिक प्रस्तुतीकरण है, जिसकी सहायता से हम अपने विचारों को बहुत अच्छी तरह से व्यक्त कर सकते है.

-: एम एस पॉवरप्वाइंट की विशेषताएँ :-

माइक्रोसॉफ्ट पॉवरप्वाइंट 2013 में एक नया रूप है, यह टैबलेट और फोन पर उपयोग के लिए प्राथमिक है। ताकि आप प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वाइप कर सके और टैपकर सके इसमें कई प्रकार की थीम्स है, जो आपकी प्रजेन्टेशन को आकर्षित बनाती है।

शुरू करने के लिए कई विकल्प -:

Topic _____ Date _____

• संशोधित लैंडिंग पेज :-

नये संस्करण में लैंडिंग पृष्ठ को स्थानीय रूप से उपलब्ध टेम्पलेट्स के साथ-साथ ऑनलाइन डेटाबेस तक तुरन्त पहुँच प्रदान करने के लिए संशोधित किया गया है।

टेम्पलेट्स के रंगस्कीम्स :-

टेम्पलेट्स का इस्तेमाल विभिन्न रंग विषयों के साथ किया जा सकता है, उदाहरण के लिए यदि विषय एक हल्की रंग योजना के साथ आता है, और आप गहरे रंगों का उपयोग करना चाहते हैं, तो टेम्पलेट पर क्लिक करें।

आप टेम्पलेट में तत्वों के रंग और शैली का मैन्युअल रूप से भी बदल सकते हैं।

प्रेजेंटर व्यू :-

प्रेजेन्टर व्यू विंडो के ऊपर नीचे अतिरिक्त नियन्त्रण उपलब्ध है, जब भी आप स्लाइड शो चलाते तो प्रस्तुत कर्ता दृश्य प्रदर्शित होगा. यदि कम्प्यूटर जुड़े कई डिस्प्ले डिवाइस है, इसमें अतिरिक्त लेजर प्वाइंटर पेन टूल है) स्लाइड के हिस्सो को